भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3957

न्यूट्रीनो अनुसंधान परियोजनएं

3957. प्रो. सौगत राय:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तमिलनाडु-केरल सीमा पर न्यूट्रीनो अनुसंधान विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की गई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी की जरूरत थी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) उक्त परियोजना पर कितना खर्च किए जाने की संभावना है और अब तक कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, नहीं, तथापि, भारत सरकार की योजना, परमाणु ऊर्जा विभाग के माध्यम से, थेनी जिले, तमिलनाडु के पोट्टीपुरम गांव की बोडी पश्चिमी पहाड़ियों में भारत-आधारित न्यूट्रीनो वेधशाला (आईएनओ) की स्थापना करने की है।

इस परियोजना के अंतर्गत न्यूट्रीनो गुणधर्मों, जो भौतिकी की एक महत्वपूर्ण खुली समस्या है, का अध्ययन करने के लिए एक भूमिगत प्रयोगशाला का निर्माण किया जाएगा। इससे उप-परमाण्विक कणों के बीच पारस्परिक क्रिया को समझने में काफी सहायता मिलेगी।

(ग) जी, हाँ, इस परियोजना के लिए, पर्यावरण तथा वन मंत्रालय, भारत सरकार से और पर्यावरण तथा वन विभाग, तमिलनाडु सरकार से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है।

(घ) भारत-आधारित न्यूट्रीनो वेधशाला की मुख्य परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 1500 करोड़ रूपए होगी, के संबंध में एक ब्यौरेवार परियोजना रिपोर्ट सरकार के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत कर दी गई है। परमाणु ऊर्जा आयोग ने भी, परियोजना-पूर्व कार्यकलापों हेतु, XIवीं पंचवर्षीय योजना की 'स्थल अवसंरचना और भारत -आधारित न्यूट्रीनो वेधशाला के लिए प्रोटोटाइप का विकास', शीर्षक वाली एक परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 66.31 करोड़ रूपए होगी, पहले ही अनुमोदित कर दी है।

****